सम्पादकीय...

संगीत में परम्परा एवं प्रयोग का अंतरद्वंद

हमारा शास्त्रीय संगीत परम्परावादी भी है और प्रयोगधर्मी भी. शास्त्र सम्मत होने तथा पीढ़ी दर पीढ़ी उसी रूप में हस्तांतरित होने के कारण परम्परागत है और स्वयं में नवीन प्रयोगों की अपार संभावना लिए होने के कारण प्रयोगधर्मी भी. संगीत में परम्परा एवं प्रयोग दो भिन्न प्रक्रियाएं होने के बावजूद एक ही सिक्के के दो पहलू हैं. नवीन प्रयोग परम्पराओं को आधार बनाकर होते हैं तो नवीन प्रयोगों के अनुकरण से कालांतर में नहीं परम्पराएं जन्म लेती हैं.

परम्पराएं अतीतोंमुखी होती हैं, जबकि प्रयोग भविष्योन्मुखी. परम्पराएं अतीत में संचित की गई निधि है. स्वभाव के आधार पर मानव पहले प्रयोगधर्मी हैं फिर परम्परावादी. सभ्यता के विकास के प्रथम चरण में परम्पराएं नहीं थी. मानव ने पहले प्रयोग व परीक्षण किए और अंततः निष्कर्ष निकाले. जो निष्कर्ष सुंदर, कल्याणकारी व तर्कसंगत थे, वह जनमानस द्वारा आसानी से स्वीकार कर लिए गए. उनका सतत अनुकरण हुआ, उनका संरक्षण हुआ और नई पीढ़ी में उसका हस्तांतरण हुआ, इस प्रकार परम्परा निर्मित होती चली गई.

संगीत में परम्परावादी और प्रयोगधर्मी विचारधाराओं का टकराव हमेशा से रहा है. परम्परावादी विचारधारा से जुड़े लोग, विरासत में मिली संगीत की परम्पराओं के संरक्षण और उसके निर्वहन हेतु आजीवन संघर्ष करते रहते हैं और उस परम्परा को यथावत नई पीढ़ी में हस्तांतरित करने के लिए प्रयासरत रहते हैं. प्रयोगवादी या प्रयोगधर्मी विचारधारा से जुड़े लोग संगीत में परम्पराओं को आधार मानकर कुछ नवीन सृजित कर अपनी मौलिकता व अपनी सृजनात्मक क्षमता का परिचय समाज के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए आतुर रहते हैं. वे विरासत में मिले संगीत के प्रति गंभीर तो होते हैं किंतु परम्पराओं के पालन में अधिक रुचि नहीं लेते फलस्वरुप एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में संगीत के हस्तांतरण में परम्परागत संगीत का वह हिस्सा जो जड़ हो चुका होता है, छूट जाता है और वर्तमान की परिस्थितियों में नवीन प्रयोगों से जो कुछ सौंदर्यपूर्ण सृजित होता है, वह उसका अंग बन जाता है.

परम्परा और प्रयोग का यह द्वंद एक ओर परम्पराओं का संरक्षण करता है तो दूसरी ओर होने वाले नवीन प्रयोगों की गति को भी नियंत्रित और संयमित करता है.

संगीत गैलेक्सी शोध पत्रिका भी संगीत की परम्पराओं को सँभालते और संरक्षित करते हुए शोध में हो रहे नवीन प्रयोगों को जन- मानस तक पहुँचाने की दिशा में कार्यरत है. वर्ष 2020 की शुभकामनाओं के साथ संगीत गैलेक्सी का नया अंक आपके सामने प्रस्तुत है.

सम्पादक